



समाज माध्यमों पर हिंदी भाषा का प्रभाव

श्रीमती पानसरे रोशनी तुकाराम

दहिवडी कॉलेज, दहिवडी, ता. माण, जि. सातारा

Corresponding Author – श्रीमती पानसरे रोशनी तुकाराम

DOI - 10.5281/zenodo.18654579

प्रस्तावना:

भाषा मानव जीवन का अत्यंत आवश्यक अंग है। भाषा के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भाषा के माध्यम से ही मनुष्य अपने विचार, भावनाएँ, अनुभव और संस्कृति को एक-दूसरे तक पहुँचाता है। भारत एक बहुभाषी देश है, लेकिन हिंदी भाषा का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है। हिंदी न केवल संपर्क भाषा है, बल्कि करोड़ों लोगों की मातृभाषा भी है।

21वीं सदी को डिजिटल युग कहा जाता है। इस युग में समाज माध्यमों (Social Media) का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। समाज माध्यमों ने संचार की दुनिया में क्रांति ला दी है। आज समाज माध्यमों के कारण हिंदी भाषा के स्वरूप, प्रयोग और विकास में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

समाज माध्यमों की अवधारणा:

समाज माध्यम वे डिजिटल प्लेटफॉर्म हैं, जिनके माध्यम से लोग आपस में जुड़ते हैं, संवाद करते हैं और जानकारी साझा करते हैं। इनका प्रयोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से किया जाता है।

प्रमुख समाज माध्यम:

1 फेसबुक. 2 व्हाट्सएप. 3 इंस्टाग्राम.

4 ट्विटर (X). 5 यूट्यूब. 6 टेलीग्राम.

इन माध्यमों ने दुनिया को “वैश्विक गाँव” बना दिया है। समाज माध्यमों से पहले हिंदी भाषा की स्थिति समाज

माध्यमों के आने से पहले: हिंदी भाषा मुख्यतः पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों तक सीमित थी। लेखक और पाठक के बीच दूरी अधिक थी। नए लेखकों को मंच मिलना कठिन था। डिजिटल माध्यमों की कमी के कारण हिंदी भाषा का विस्तार सीमित था। समाज माध्यमों के आगमन से हिंदी भाषा में परिवर्तन समाज माध्यमों के आगमन के बाद हिंदी भाषा में कई परिवर्तन हुए: हिंदी भाषा डिजिटल मंच पर आई आम व्यक्ति भी लेखक बन गया हिंदी बोलने और लिखने वालों की संख्या बढ़ी आज कोई भी व्यक्ति अपने विचार हिंदी में लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। हिंदी भाषा के प्रचार और प्रसार में समाज माध्यमों की भूमिकासमाज माध्यमों ने हिंदी भाषा को देश-विदेश तक पहुँचाया है। प्रवासी भारतीय हिंदी से जुड़े रह पा रहे हैं विदेशी लोग हिंदी सीखने लगे हैं हिंदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान बना रही है। यह हिंदी भाषा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हिंदी भाषा और जनसामान्य समाज माध्यमों ने हिंदी को जनसामान्य की भाषा बना दिया है। अशिक्षित और शिक्षित दोनों वर्ग हिंदी का प्रयोग कर रहे हैं। क्षेत्रीय लोग भी हिंदी में संवाद कर रहे हैं। सामाजिक समस्याओं पर हिंदी में चर्चा हो रही है। इससे लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मजबूत हुई है। युवाओं में हिंदी भाषा का बढ़ता प्रयोग युवा वर्ग समाज माध्यमों का सबसे सक्रिय उपयोगकर्ता है। रीलस, शॉर्ट्स और वीडियो हिंदी में बनाए जाते हैं।

हिंदी में स्लोगन और संदेश लिखे जाते हैं। सामाजिक आंदोलनों में हिंदी का प्रयोग होता है। युवाओं ने हिंदी को आधुनिक और आकर्षक बनाया है।

1. हिंदी भाषा और डिजिटल साहित्य
2. समाज माध्यमों ने हिंदी साहित्य को नया रूप दिया है।
3. डिजिटल कविता
4. ऑनलाइन कहानियाँ
5. ई-पुस्तकें
6. ब्लॉग लेखन
7. आज साहित्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मोबाइल स्क्रीन तक पहुँच गया है।
8. हिंदी पत्रकारिता पर समाज माध्यमों का प्रभाव
9. समाज माध्यमों ने हिंदी पत्रकारिता को तेज़ और प्रभावशाली बनाया है।
10. तुरंत समाचार प्रसारण
11. जनमत का प्रदर्शन
12. आम जनता की आवाज़

हालाँकि कभी-कभी अफवाहें और गलत समाचार भी फैलते हैं, जो एक चुनौती है। भाषा की सरलता और संक्षिप्तता। समाज माध्यमों पर सीमित समय और स्थान के कारण: भाषा संक्षिप्त हो गई है। छोटे वाक्यों का प्रयोग बढ़ा है। भावनाओं को इमोजी से व्यक्त किया जाता है। इससे भाषा सरल तो हुई, लेकिन गंभीरता कुछ हद तक कम हुई है। इंग्लिश का बढ़ता प्रभाव जैसे समाज माध्यमों पर हिंदी और अंग्रेज़ी का मिश्रण देखने को मिलता है।

उदाहरण:

“आज mood अच्छा नहीं है”

“कल meeting है”

इससे: हिंदी की शुद्धता प्रभावित होती है। नई पीढ़ी शुद्ध हिंदी से दूर होती जा रही है। वर्तनी और व्याकरण की समस्याएँ। समाज माध्...समाज माध्यम और सामाजिक जागरूकता हिंदी भाषा के माध्यम से :

- सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा।

- महिला सशक्तिकरण.
- पर्यावरण संरक्षण.
- शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता.

समाज माध्यमों ने हिंदी को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया है।

- समाज माध्यमों के नकारात्मक प्रभाव.

कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं:

- भाषा की अशुद्धता.
- अपशब्दों का प्रयोग.

भ्रामक जानकारी भाषा का स्तर गिरना। इनसे हिंदी की गरिमा को ठेस पहुँचती है। समाधान और सुझावशुद्ध हिंदी का प्रयोग बढ़ाया जाए सही वर्तनी पर ध्यान दिया जाए हिंदी साहित्य को प्रोत्साहन मिले डिजिटल शिक्षा में हिंदी को महत्व दिया जाए भविष्य में हिंदी भाषा की संभावनाएँ भविष्य में: हिंदी वैश्विक भाषा बनेगी डिजिटल शिक्षा की मुख्य भाषा होगी। तकनीक और हिंदी का मेल और मजबूत होगा। यदि सही दिशा में प्रयास किए गए। तो हिंदी भाषा और समृद्ध होगी।

उपसंहार:

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि समाज माध्यमों ने हिंदी भाषा को नया जीवन दिया है। इसके माध्यम से हिंदी भाषा का प्रचार, प्रसार और आधुनिकीकरण हुआ है। यद्यपि कुछ चुनौतियाँ हैं, लेकिन जागरूकता और सही प्रयोग से हिंदी भाषा का भविष्य उज्ज्वल है। समाज माध्यम हिंदी भाषा के लिए एक अवसर भी हैं और जिम्मेदारी भी।

संदर्भ ग्रंथ:

१. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विकिपीडिया
२. <https://www.jagran.com/blogs/>